(Under Course Credit Semester System)

(कोर्स क्रेडिट सिमेस्टर पद्धति पर आधारित)

SEMESTER-I

HNC - 411	हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग–1	4 CH
HNC - 412	आदिकालीन एवं निर्गुण भक्ति काव्य	4 CH
HNC - 413	सगुण भक्ति एवं रीतिकाल	4 CH
HNC - 414	छायावादी काव्य	4 CH
HNC - 415	छायावादोत्तर काव्य	4 CH

SEMESTER-II

HNC - 421	हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग–2	4 CH
HNC - 422	हिन्दी कथा साहित्य	4 CH
HNC - 423	आधुनिक गद्य साहित्य	4 CH
HNC - 424	भारतीय काव्य शास्त्र	4 CH
HNC - 425	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	4 CH

SEMESTER - III

HNC - 511	पत्रकारिता एवं मीडिया लेखन	4 CH
HNC - 512	हिन्दी आलोचना और साहित्य	4 CH
HNC - 513	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	4 CH
HNC - 514	हिन्दी कथा साहित्य ~~इतिहास और~~ में स्त्री विमर्श	4 CH
HNC - 515	हिन्दी कविता एवं साहित्य की अन्य विधाओं में स्त्री विमर्श	4 CH

SEMESTER -IV

HNC - 521	कामकाजी हिन्दी और कंप्यूटिंग	4 CH
HNC - 522	हिन्दी पत्रकारिता	4 CH
HNC - 523	अनुवाद सिद्धान्त एवं व्यवहार	4 CH
HNC - 524	दलित साहित्य	4 CH
HNC - 525	मीडिया लेखन	4 CH

NB: The Total Credit hours for all the semesters are 80 CH. Each theory paper carry 100 marks, 80 marks for University Examination and 20 marks for internal assessment.

Scanned with CamScanner

SEMESTER – I

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 411 **अंकः 80** **समयः 3 hrs**

पाठ्यक्रमः हिन्दी साहित्य का इतिहासः भाग –1

UNIT – I **अंक : 15 (आलोचनात्मक)**

इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास। हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण। सिद्ध और नाथ साहित्य, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की रचनाएँ। विद्यापति की पदावली, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की विशेषता

UNIT – II **अंक : 15 (आलोचनात्मक)**

पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक प्रवृत्तियाँ,चेतना और भक्ति आंदोलन। प्रमुख निर्गुण संत। निर्गुण काव्य में सामाजिक चेतना, कबीर दास का सुधारवादी दृष्टिकोण, भारत में सूफीमत का उदय और विकास। हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ। निर्गुण भक्तिधारा की मुख्य विशेषताएँ।

UNIT – III **अंक : 15 (आलोचनात्मक)**

सगुण भक्ति का सामाजिक - सांस्कृतिक आधार । प्रमुख आचार्य एवं संप्रदाय। राम भक्ति साहित्य, कृष्ण भक्ति साहित्य। प्रमुख कवि एवं ग्रंथ। सगुण भक्ति का वैशिष्ट्य।

UNIT – IV **अंक : 15 (आलोचनात्मक)**

उत्तरमध्य काल(रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंथों की परंपरा। रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ(रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ।

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	**15 X 4 = 60**
02 लघुत्तरी प्रश्न	**5 X 2 = 10**
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1 X 10 = 10**

अनुमोदित ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास-डॉ. नगेंद्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल-डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी, पटना,4. हिन्दी साहित्य की भूमिका-डॉ.हजारी प्रसाद द्विवेदी, दिल्ली, 5. सूफी काव्य विमर्श-श्याम मनोहर पांडे, आगरा, 6. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य-डॉ.मैनेजर पांडे, नईदिल्ली, 7. हिन्दी साहित्य का इतिहास-डॉ. बहादुर सिंह, माधव प्रकाशन, यमुना नगर, हरियाणा, 8. भारतीय चिंतन परंपरा-क.दामोदर, नईदिल्ली, 9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 10. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य, डॉ. नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 11. भारतीय प्रेमाख्यान परंपरा, डॉ. संध्या वात्स्यायन, दिल्ली, 12. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ.रामकुमार वर्मा, प्रयाग प्रकाशन, 13. हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास- संपादक-डॉ.राजबली पांडे, नागरी प्रचारणी सभा, काशी, 14. हिस्ट्री ऑफ इंडियन लिटरेचर- मारिस विटेऐनिस्ज, कलकता विश्वविद्यालय, 15. महाकवि पुष्पदंत- डॉ. राजनारायण पांडे, चिन्मय प्रकाशन, चोड़ा रास्ता, जयपुर।

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 412 **अंक: 80** **समय: 3 hrs**

पाठ्यक्रम: आदिकाल एवं निर्गुण भक्ति काव्य

UNIT – I **अंक: 20(व्याख्या -8, आलोचनात्मक-12)**

पाठ्य पुस्तक

विद्यापति की पदावली - संपा.रामकृष्ण बेनीपुरी, पुस्तक भंडार, वाराणसी

बसंत खंड

आलोचना : विद्यापति के साहित्य की विवेचना, उनका युग एवं काव्य साहित्य की विशेषताएँ

UNIT – II **अंक: 20(व्याख्या-8, आलोचनात्मक-12)**

कबीर ग्रंथावली = डॉ. श्यामसुंदर दास, नागरी प्राचरिणी सभा, काशी

गुरुदेव को अंग - (1-30) सुमिरन को अंग = (1-30) विरह को अंग - (1-30)

ज्ञान विरह को अंग - (1-30) ~~निर्गुण भक्ति को अंग - (1-30)~~

आलोचना : निर्गुण भक्ति की प्रवृत्तियाँ, व्यंग और विद्रोह के कवि कबीर, भावात्मक एकता की दिशा में कबीर का योगदान

UNIT – III **अंक: 20(व्याख्या-8, आलोचनात्मक-12)**

मल्लिक मोहम्मद जायसी - पद्मावत - संपा. माता प्रसाद गुप्त, भारती भंडार, प्रयाग

(नख-शिख वर्णन एवं सिंहल दीप खंड)

आलोचना : हिन्दी कविता में सूफी संप्रदाय का योगदान, सूफी प्रेमाख्यानों की विशेषताएँ, मलिक मोहम्मद जायसी व्यक्तित्व एवं काव्यगत विशेषताएँ, भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रंथ, सूफी काव्य में संस्कृति एवं लोक जीवन के तत्व ।

अंक विभाजन :

03 व्याख्या	**8 X 3 = 24**
03 आलोचनात्मक प्रश्न	**12 X 3 = 36**
02 लघुत्तरी प्रश्न	**5 X 2 = 10**
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1 X 10 = 10**

अनुमोदित ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 2. कबीर- डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, 3. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में शक्ति - डॉ. श्याम सुंदर शुक्ल, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, 4. सूफी मत और साहित्य साधना - हिन्दुस्तान एकाडेमी, इलाहाबाद, 5. जायसी ग्रंथावली(भूमिका)- संपा.रामचंद्र शुक्ल, 6. कबीर की विचारधारा-गोविंद त्रिगुणायम, 7. हिन्दी साहित्य का आदिकाल-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, 8. विद्यापति-शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 9. हिन्दी सूफी कवित और काव्य-सरला गुप्ता, 10. विद्यापति युग और साहित्य - इंद्रकांत झा, 11. भारतीय प्रेमाख्यान परंपरा-डॉ.संध्या वात्स्यायन, दिल्ली, 12. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ. रामकुमार वर्मा, 13. हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास-डॉ.राजबली पांडे, नागरी प्रचारणी सभा, काशी, 14. हिस्ट्री ऑफ इंडियन लिट्रेचर-मारिस विट्येनिस्ज, कलकत्ता विश्वविद्यालय, 15. महाकवि पुष्पदन्त : डॉ.राजनारायण पांडे, चिन्मय प्रकाशन, चौड़ा रास्ता, जयपुर

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 413 अंक: 80 समय: 3 hrs

पाठ्यक्रम : सगुण भक्ति एवं रीति काव्य

UNIT – I **अंक : 20(व्याख्या-8, आलोचनात्मक-12)**

भ्रमर गीत सार - संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल - पुस्तक भंडार, वाराणसी (1-25 पद)

आलोचना : सगुण भक्ति की प्रवृत्तियाँ, सूरदास का समकालीन समाज, सुरसागर और लोक जीवन, सगुण संत कवि और उनका अवदान ।

UNIT – II **अंक : 20(व्याख्या-8, आलोचनात्मक-12)**

रामचरित मानस(अयोध्या काण्ड)- तुलसीदास - गीता प्रेस, गोरखपुर (1-25 पद)

आलोचना : भक्ति काल के कवियों में तुलसीदास का स्थान, उनका व्यक्तित्व, साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक अवदान, तुलसीदास और वर्ण व्यवस्था, तुलसी की समन्वय भावना

UNIT – III **अंक : 20(व्याख्या-8, आलोचनात्मक-12)**

बिहारी रत्नाकर - संपा. जगन्नाथ रत्नाकर (प्रथम 50 दोहे)

आलोचना : रीतिकालीन परिस्थितियाँ एवं परिवेश, दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य, बिहारी की भाषा

अंक विभाजन :

03 व्याख्या	8 X 3 = 24
03 आलोचनात्मक प्रश्न	12 X 3 = 36
02 लघुत्तरी प्रश्न	5 X 2 = 10
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1 X 10 = 10

अनुमोदित ग्रंथ :

1.त्रिवेणी - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, 2. सूर साहित्य - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, 3: सूरदास - आचार्य नन्ददुलारे बाजपेयी, 4. तुलसीदास - माता प्रसाद, 5. तुलसीदास - ग्रियर्सन, 6. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - डॉ.मैनेजर पांडे, वाराणसी प्रकाशन, दिल्ली, 7. तुलसी के गीति काव्य : संवेदना और शिल्प - डॉ.गुलाम मोइनुद्दीन खान, शबनम पुस्तक महल, कटक, 8. लोकवादी तुलसीदास - विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 414 अंक: 80 समय: 3 hrs

पाठ्यक्रम : छायावादी काव्य

UNIT – I अंक : 20(व्याख्या-8, आलोचनात्मक-12)

पाठ्यपुस्तक

कामायनी - जयशंकर प्रसाद - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (श्रद्धा और लज्जा सर्ग)

आलोचना : स्वाधीनता आंदोलन और छायावादी कविता, प्रसाद के काव्य की विशेषताएँ, कामायनी और प्रतीक योजना

UNIT – II अंक : 20(व्याख्या-8, आलोचनात्मक-12)

पाठ्यपुस्तक

छायावाद के प्रतिनिधि कवि - डॉ. विजयपाल सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

(क) राम की शक्तिपूजा (ख) सरोज स्मृति

आलोचना : निराला के युग का सामान्य परिचय, निराला की प्रमुख काव्य कृतियाँ तथा प्रवृत्तियाँ

UNIT – III अंक : 20(व्याख्या-8, आलोचनात्मक-12)

छायावाद के प्रतिनिधि कवि - डॉ. विजयपाल सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

महादेवी वर्मा

(क) बसंत रजनी (ख) रूपसी तेरा घन केश - पाश !

(ग) क्या पूजन क्या अर्चन रे (घ) मंदिर का दीप (च) सब आँखों के आँसू उजले

अंक विभाजन :

03 व्याख्या	8 X 3 = 24
03 आलोचनात्मक प्रश्न	12 X 3 = 36
02 लघुत्तरी प्रश्न	5 X 2 = 10
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1 X 10 = 10

अनुमोदित ग्रंथ :

1.जयशंकर प्रसाद - नन्ददुलारे बाजपेयी, 2. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ-डॉ.नगेंद्र, 3. छायावाद-डॉ.नामवर सिंह, 4. छायावाद काव्यः एक दृष्टि- डॉ.चोथीरम यादव, 5. निराला की साहित्य साधना-डॉ.रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 6. क्रांतिकारी कवि निराला - डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 7. महादेवी वर्मा- जगदीश गुप्त, 8. महादेवीः साहित्य समग्र भाग-1,2,3, संपा.निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 9. छायावाद युगीन कविता - डॉ.उमाकांत गोयल, पीतांबर प्रकाशन, करोल बाग, दिल्ली, 10. कामायनी एक पुनर्विचार- गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 11. निराला के काव्य का मनोवैज्ञानिक अध्ययन- डॉ.कमलप्रभा कपानी, भावना प्रकाशन, दिल्ली

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 415 **अंकः 80** **समयः 3 hrs**

पाठ्यक्रम : छायावादोत्तर काव्य

UNIT – I **अंक : 20(व्याख्या-8, आलोचनात्मक-12)**

पाठ्यपुस्तक

उर्वशी - रामधारी सिंह दिनकर, उद्यांचल प्रकाशन, पटना

आलोचना : दिनकर - युग संदर्भ, दिनकर के काव्य दृष्टि और दर्शन, संस्कृति चेतना, दिनकर का कामाध्यात्म

UNIT – II **अंक : 20(व्याख्या-8, आलोचनात्मक-12)**

पाठ्यपुस्तक

अज्ञेय झ्र संपा. विद्यानिवास मिश्र, राजपाल एंड संस, दिल्ली

(क) नदी के दीप **(ख) असाध्य वीणा** **(ग) बावरा अहेरी**

आलोचना : अज्ञेय और प्रयोगवाद, अज्ञेय के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ

UNIT – III **अंक : 20(व्याख्या-8, आलोचनात्मक-12)**

पाठ्यपुस्तक

चाँद का मुँह टेढ़ा है - मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली

आलोचना : नई कविता आंदोलन, मुक्तिबोध की जनवादी अवधारणा, मुक्तिबोध के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ

अंक विभाजन :

03 व्याख्या	**8 X 3 = 24**
03 आलोचनात्मक प्रश्न	**12 X 3 = 36**
02 लघुत्तरी प्रश्न	**5 X 2 = 10**
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1 X 10 = 10**

अनुमोदित ग्रंथ :

1.दिनकर-डॉ.सावित्री सिन्हा, 2. दिनकर की काव्य साधना - डॉ.श्रीवास्तव, 3. महाकवि दिनकर, उर्वशी तथा अन्य कृतियाँ- डॉ.विमल कुमार जैन, भारतीय मंदिर, दिल्ली, 4. दिनकर के काव्य में सामाजिक चेतना-डॉ. गुलाम मोइनुद्दीन खान, प्रकाशन, नईदिल्ली, 5. उर्वशी विचार और विश्लेषण - डॉ. वचन देव कुमार, नेशनल पब्लिशिंग, दिल्ली, 6. समकालीन कविता का यथार्थ - डॉ. परमानंद श्रीवास्तव, हरियाणा साहित्य अकादमी, 7. संवाद : नई कविता, आलोचना और प्रतिक्रिया- डॉ. प्रभाकर क्षेत्रिय, राजपाल एंड संस, 8. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या - राम स्वरूप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, नईदिल्ली, 9. बोध ज्ञान और संवदेना - डॉ.नवल किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 10. नई और अस्तित्ववाद - डॉ.रामविलास शर्मा, 11. कविता के सौ साल - सं.लीलाधर मंडलोई, शिल्प प्रकाशन, दिल्ली

Scanned with CamScanner

SEMESTER – II

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 421 **अंक: 80** **समय: 3 hrs**

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य का इतिहास: भाग - 2

UNIT – I **अंक : 15 x 1 = 15**

भारतेन्दु युग में सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ-साथ पाश्चात्य नवोन्मेश का विकास छायावाद में दिखाई पड़ा। भारतेन्दु और उनका मंडल। 19वीं शताब्दी की प्रमुख हिन्दी पत्र और पत्रिकाएँ। भारतेन्दुयगीन साहित्य की विशेषताएँ।

महावीर प्रसाद द्विवेदी युग तथा खड़ीबोली का विकास। सरस्वती का प्रकाशन तथा हिन्दी नवजागरण, भाषा परिष्कार, मैथिली शरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि।

UNIT – II **अंक : 15 x 1 = 15**

हिन्दी गद्य विधाओं का विकास। हिन्दी उपन्यास का उदय। प्रेमचंद पूर्व उपन्यास। प्रेमचंद के साहित्य में स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी पर उसका प्रभाव।

UNIT – III **अंक : 15 x 1 = 15**

छायावादी परंपरा का विकास : स्थूलता, इतिवृत्तात्मकता की जगह सूक्ष्मता। जागरण का नया रूप छायावाद में मुखरित हुआ। छायावाद नूतन और मौलिक शक्ति का काव्य। प्रसाद, पंत, महादेवी, निराला की सर्जना। छायावाद की विशेषताएँ।

UNIT – IV **अंक : 15 x 1 = 15**

प्रगतिशील काव्य : औद्योगिकरण के साथ-साथ शोषण की वृत्ति तथा अन्य सामाजिक विद्रुपताओं ने प्रगतिशील साहित्यांदोलन को बढ़ावा दिया। प्रयोगवाद और नई कविता : देश का विभाजन तथा सांप्रदायिक घटनाओं का साहित्य पर प्रभाव। शीतयुद्ध की छाया-व्यक्ति स्वतंत्रता। अस्तित्ववाद का प्रभाव-छठे दशक के साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। साठोत्तरी आंदोलन-प्रमुख कवि और काव्य कृतियाँ। आंचलिक उपन्यास और उपन्यासकार-नई कहानी, नाटक और रंगमंच के क्षेत्र में नए प्रयोग। स्वातंत्रोत्तर हिन्दी साहित्य की उपलब्धियाँ।

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	**15 X 4 = 60**
02 लघुत्तरी प्रश्न	**5 X 2 = 10**
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1 X 10 = 10**

अनुमोदित ग्रंथ :

1.भारतेन्दु और हिन्दी नवजागरण- डॉ.रामविलास शर्मा, 2.छायावाद की प्रासंगिकता- रमेश चंद्र शाह, 3. प्रसाद, निराला, अज्ञेय - रामस्वरूप चतुर्वेदी, 4. अज्ञेय एक अध्ययन - डॉ.भोलाभाई पटेल, 5. इतिहास और आलोचना - डॉ.नामवर सिंह, 6. नागार्जुन- डॉ.प्रभाकर माचवे, 7. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता-डॉ.लल्लन राय, 8. समकालीन कविता और धूमिल काव्य-डॉ.हुक्म चंद, कोणा प्रकाशन, दिल्ली, 9. मैथली शरण गुप्तः एक मूल्यांकन-राजीव सक्सेना, 10. हिन्दी साहित्य का इतिहास-डॉ.बहादुर सिंह, 11. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 12. हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास- संपा.राहुल सांकृत्यायन, 13. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास-डॉ.गुलाब राय, 14. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह, 15. नई कविता का आत्मसंघर्ष-गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 422 **अंक: 80** **समय: 3 hrs**

पाठ्यक्रम : हिन्दी कथा साहित्य

UNIT – I **अंक : 20(एक आलोचनात्मक प्रश्न)**

उपन्यास

पाठ्यपुस्तक

गोदान – प्रेमचंद - हंस प्रकाशन, इलाहाबाद

मैला आँचल – फणीश्वरनाथ रेणु - राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नईदिल्ली

आलोचना : प्रेमचंद युगीन हिन्दी उपन्यास, प्रेमचंद का उपन्यास साहित्य, प्रेमचंद और आंचलिक उपन्यास, लेखक रेणु का परिचय तथा मैला आँचल

UNIT – II **अंक : 20(एक आलोचनात्मक प्रश्न)**

कहानी

पाठ्यपुस्तक

हिन्दी कहानी संग्रह – संपा.भीष्म साहनी, साहित्य अकादमी, दिल्ली

1. **मलवे का मालिक** – मोहन राकेश
2. **खोई हुई दिशाएँ** – कमलेश्वर
3. **जहां लक्ष्मी कैद है** – राजेंद्र यादव
4. **कोशी का घटवार** – शेखर जोशी
5. **प्रेत मुक्ति** – शैलेश मटियानी
6. **परिंदे** – निर्मल वर्मा
7. **अपना रास्ता लो बाबा** – काशीनाथ सिंह

UNIT – III **अंक : 20(एक आलोचनात्मक प्रश्न)**

बच्चन की आत्मकथा(संक्षिप्त) – हरिवंश राय बच्चन

संक्षेपण – अजित कुमार, नेशनल बूक ट्रस्ट इंडिया, ए-5 ग्रीन पार्क, नईदिल्ली

अंक विभाजन :

03 आलोचनात्मक प्रश्न	**20 X 3 = 60**
02 लघुत्तरी प्रश्न	**5 X 2 = 10**
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1 X 10 = 10**

अनुमोदित ग्रंथ :

1.हिन्दी उपन्यास की उपलब्धियाँ-डॉ.लक्ष्मी सागर वर्णय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास- गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 3. प्रेमचंद और उनका युग- डॉ.रामविलास शर्मा, नईदिल्ली, 4. प्रेमचंद एक विवेचन- डॉ.इंद्रनाथ मदान, लोकभारती प्रकाशन, 15 ए-महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद, 5. कहानी-नई कहानी- डॉ.नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, 15 ए-महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद, 6. नई कहानी संवेदना और शिल्प, राजेंद्र यादव, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 7. उपन्यास और लोक जीवन - राल्फ फाक्स, दिल्ली, 8. मोहन राकेश की कहानियों में आधुनिक बोध - डॉ.सदन कुमार पॉल, भावना प्रकाशन, पड़पड़ रास्ता, 9. क्या भूलूँ क्या याद करूँ - हरिवंश राय बच्चन, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 423 **अंकः 80** **समयः 3 hrs**

पाठ्यक्रम : आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी)

UNIT – I **अंक : 20 (व्याख्या-8, आलोचनात्मक-12)**

पाठ्यपुस्तक

स्कन्दगुप्त – जयशंकर प्रसाद, विश्वविद्यालय प्रकाशनी, वाराणसी

आधे अधूरे – मोहन राकेश, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली

आलोचना : प्रसाद युगीन नाटक, प्रसाद का नाट्य साहित्य, रंगमंच और प्रसाद के नाटक, आधुनिकता के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी नाटक । मोहन राकेश के नाटकों में साहित्यिक दृष्टि, मोहन राकेश के नाटक - सर्जनात्मक धरातल और उनकी विशेषताएँ।

UNIT – II **अंक : 20 (व्याख्या-8, आलोचनात्मक-12)**

पाठ्यपुस्तक

ललित निबंध – डॉ.नामवर सिंह, अनुपम प्रकाशन, पटना

1. **चढ़ती उमर** – बालकृष्ण भट्ट
2. **बसंत आ गया है** – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. **पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ** – डॉ. नामवर सिंह
4. **कैक्टस** – डॉ.धर्मवीर भारती
5. **राघव करूणो रक्षः** – श्री कुबेर नाथ राय

UNIT – III **अंक : 20 (व्याख्या-8, आलोचनात्मक-12)**

पाठ्यपुस्तक

आवारा मसीहा – विष्ण प्रभाकर(संक्षिप्त)

आलोचना : हिन्दी साहित्य में जीवनी, लेखक का परिचय, कृतियाँ, विष्णु प्रभाकर और आवारा मसीहा ।

अंक विभाजन :

03 व्याख्या	**8 X 3 = 24**
03 आलोचनात्मक प्रश्न	**12 X 3 = 36**
02 लघुत्तरी प्रश्न	**5 X 2 = 10**
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1 X 10 = 10**

अनुमोदित ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच - डॉ.लक्ष्मी नारायण लाल, साहित्य भवन, इलाहाबाद, 2. आधुनिक हिन्दी नाटक-डॉ.नगेंद्र, साहित्य रत्न भंडार, आगरा, 3. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक-डॉ.जगदीश चंद्र जोशी, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा, 4. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास - डॉ.दशरथ ओझा, राजपाल संस, दिल्ली, 5. भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच - डॉ.सीताराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ, 6. मोहन राकेश की रंग सृष्टि - जगदीश शर्मा, दिल्ली, 7. आधुनिक नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश - गोविंद चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नईदिल्ली, 8. रंग मंच और प्रसाद के नाटक - डॉ. रीता पालीवाल, साहित्य निधि, सी-38, ईस्ट कृष्ण नगर, दिल्ली-51

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 424 अंक: 80 समय: 3 hrs

पाठ्यक्रम : भारतीय काव्य शास्त्र

UNIT – I अंक: 15 x 1 = 15

(क) काव्य के लक्षण

(ख) काव्य के हेतु

(ग) काव्य प्रयोजन

UNIT – II अंक: 15 x 1 = 15

(क) अलंकार सिद्धांत

(ख) रीति सिद्धांत

(ग) वक्रोक्ति सिद्धांत

UNIT – III अंक: 15 x 1 = 15

(क) रस सिद्धांत

(ख) ध्वनि सिद्धांत

UNIT – IV अंक: 15 x 1 = 15

हिन्दी आलोचना

व्यक्तिवादी

ऐतिहासिक

मार्क्सवादी

प्रभाववादी

सौन्दर्यशास्त्रीय

समाजशास्त्रीय

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	15 X 4 = 60
02 लघुत्तरी प्रश्न	5 X 2 = 10
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1 X 10 = 10

अनुमोदित ग्रंथ :

1.भारतीय साहित्य शास्त्र- जी.टी.देशपांडे, मुंबई, 2. रस मीमांसा-आचार्य शुक्ल, 3. भारतीय काव्य शस्त्र-डॉ.भागीरथ मिश्र, 4. रस सिद्धांत-डॉ.नगेंद्र, 5. काव्य के लक्षण-देवेंद्र नाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 6. भारतीय काव्य शस्त्र के नये क्षितिज-राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 7. अलंकार मुक्तावली-डॉ.देवेंद्र नाथ शर्मा, 8. तत्व और काव्य सिद्धांत-डॉ.सुरेश शिवदास वारलिंगे

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 425 **अंक: 80** **समय: 3 hrs**

पाठ्यक्रम : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक विकास क्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक विविध रूपता तथा हिन्दी में कंप्यूटर सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य, हिन्दी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी - हिन्दी मानकीकरण का विवरण

UNIT – I **अंक: 15 X 1 = 15**

भाषा : भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा की उत्पत्ति और विकास, भाषा परिवर्तन के कारण

UNIT – II **अंक: 15 X 1 = 15**

भाषा विज्ञान : परिभाषा, स्वरूप और प्रकृति, प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ, ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध, भाषा विज्ञान का संक्षिप्त इतिहास

UNIT – III **अंक: 15 X 1 = 15**

हिन्दी भाषा : हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, हिन्दी का भौगोलिक विस्तार, हिन्दी का भाषिक स्वरूप, हिन्दी के विविध रूप, हिन्दी में कंप्यूटर सुविधाएँ, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ और मानकीकरण

UNIT – IV **अंक: 15 X 1 = 15**

लिपि : लिपि की उत्पत्ति और विकास, विभिन्न प्रकार की लिपियों का संक्षिप्त इतिहास और सामान्य परिचय, देवनागरी लिपि का विकास, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	**15 X 4 = 60**
02 लघुत्तरी प्रश्न	**5 X 2 = 10**
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1 X 10 = 10**

अनुमोदित ग्रंथ :

1.भाषा विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद, 2. भाषा शास्त्र और भाषा विज्ञान-डॉ.कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 3. हिन्दी भाषा का इतिहास-डॉ.धीरेंद्र वर्मा, 4. भाषा विज्ञान की भूमिका-डॉ.देवेंद्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 5. आधुनिक भाषा विज्ञान-डॉ.राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 6. भाषा विज्ञान का संक्षिप्त इतिहास-उदय नारायण तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 7. हिन्दी उद्भव और विकास-डॉ. हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहबाद, 8. भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी-डॉ.सुनीति कुमार चटर्जी, भारती भंडार, प्रयाग, 9. भारतीय भाषा विज्ञान-आचार्य किशोरीदास वाजपेयी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली

Scanned with CamScanner

SEMESTER - III

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 511 **अंक : 80** **समय : 3 hrs**

पाठ्यक्रम : पत्रकारिता और मीडिया लेखन

UNIT – I **अंक: 15 x 1 = 15**

(क) **पत्रकारिता का स्वरूप** और प्रमुख प्रकार, भारत में पत्रकारिता का उद्भव और विकास

(ख) **हिन्दी के प्रमुख पत्र :** 1. उदंत मार्तंड, 2. कविवचन सुधा, 3. सरस्वती, 4. हंस

(ग) **हिन्दी के प्रमुख पत्रकार :** 1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, 2. बालकृष्ण भट्ट, 3. महावीर प्रसाद द्विवेदी, 4. गणेश शंकर विद्यार्थी

UNIT – II **अंक: 15 x 1 = 15**

सिद्धांत और प्रयोग

(क) पत्रकारिता के मूल तत्व

(ख) समाचार संकलन और संपादन

(ग) समाचार के स्रोत

UNIT – III **अंक: 15 x 1 = 15**

संचार, जनसंचार और संचार की प्रक्रिया

(क) संचार - सामान्य परिचय (ख) जनसंचार (ग) संचार प्रक्रिया

UNIT – IV **अंक: 15 x 1 = 15**

आधुनिक जनसंचार माध्यम

(क) जनसंचार माध्यमों से आशय और उनका वर्गीकरण (ख) मुद्रण माध्यम (ग) श्रव्य संचार माध्यम(Radio) (घ) दृश्य श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन, वीडियो) (च) इलेक्ट्रोनिक्स माध्यम(Satellite, Internet) (छ) बहु माध्यम (Multimedia)

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	**15 x 4 = 60**
02 लघुत्तरी प्रश्न	**5 x 2 = 10**
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1 x 10 = 10**

अनुमोदित ग्रंथ :

1.पत्रकार कला - विष्णुदत्त शुक्ल, सहयोगी प्रकाशन, कानपुर, 2. जनमाध्यम और हिन्दी पत्रकारिता- प्रवीण दीक्षित, सहयोगी प्रकाशन, साहित्स संस्थान, कानपुर, 3. फीचर लेखन-चतुर्वेदी प्रकाशन, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, 4. समाचार पत्रों की चंचल सरकार(अनुवाद-नरेंद्र सिन्हा)-नेशनल बुक ऑफ ट्रस्ट इंडिया, ए-5, ग्रीन पार्क, नईदिल्ली, 5. हिन्दी पत्रकारिता के सिद्धांत और स्वरूप - डॉ. सविता चड्ढा, तक्षशिला प्रकाशन, नईदिल्ली, 6. मीडिया बाजारवाद - रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नईदिल्ली, 7. जनसंचार और विज्ञापन - डॉ.कुलश्रेष्ठ, पुनीत प्रकाशन, जयपुर, 8. संवाद समिति की पत्रकारिता -काशीनाथ गोविंदराव जोगलेकर, राजकमल प्रकाशन

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 512 **अंक : 80** **समय : 3 hrs**

पाठ्यक्रम : हिन्दी आलोचना साहित्य

हिन्दी आलोचक और आलोचना, हिन्दी आलोचना की विविध प्रणालियाँ - काव्यशास्त्रीय, स्वच्छन्दतावादी, मनोविश्लेषणवादी, व्यक्तिवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, संरचनावादी, शैलीवैज्ञानिक, तुलनात्मक आलोचना

UNIT – I **अंक: 15 X 1 = 15**

चिंतामणि भाग(भाग-1) -रामचन्द्र शुक्ल

UNIT – II **अंक: 1 X 15 = 15**

हिन्दी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी

UNIT – III **अंक: 1 X 15 = 15**

प्रेमचंद और उनका युग – डॉ. रामविलास शर्मा

UNIT – IV **अंक: 1 X 15 = 15**

दूसरी परंपरा की खोज – डॉ. नामवर सिंह

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	**15 X 4 = 60**
02 लघुत्तरी प्रश्न	**5 X 2 = 10**
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1 X 10 = 10**

अनुमोदित ग्रंथ :

1.समीक्षा के नये प्रतिमान-डॉ.सुखवीर सिंह, 2. नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र-गजानन माधव मुक्तिबोध, 3. प्रगति और परंपरा-डॉ.रामविलास शर्मा, नईदिल्ली, 4. रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना-डॉ.रामविलास शर्मा, नईदिल्ली, 5. हिन्दी आलोचना के बीजशुद्ध-डॉ.बच्चन सिंह, नईदिल्ली, 6. समीक्षा की समस्याएँ-मुक्तिबोध रचनावली-5, नईदिल्ली, 7. साहित्य और सामाजिक मूल्य -डॉ.हरदयाल, 8. प्रगतिशील आलोचना-रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, 9. इतिहास और आलोचना-डॉ.नामवर सिंह, 10. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका-इंदुनाथ चौधरी, 11. मानवमूल्य और साहित्य-डॉ.धर्मवीर भारती, 12. हिन्दी साहित्य : नये प्रश्न-आचार्य नंददुलारे वाजपेयी

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 513 **अंक : 80** **समय : 3 hrs**

पाठ्यक्रम : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

UNIT – I **अंक: 1 X 15 = 15**

(क) प्लेटो - काव्य सत्य और अनुकरण, काव्य सृजन की प्रक्रिया, काव्य का प्रभाव

(ख) अरस्तू - काव्य और अनुकरण, त्रासदी, विरेचन सिद्धांत

UNIT – II **अंक: 1 X 15 = 15**

(क) लोगीनुस - उदात्त सिद्धांत, लोगीनुस और नयी समीक्षा

(ख) आई.ए.रिचर्डस - मूल्य सिद्धांत, भाषा संबंधी विचार

UNIT – III **अंक: 1 X 15 = 15**

प्रमुख सिद्धांत एवं वाद

स्वच्छन्दतावाद, मार्क्सवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद

UNIT – IV **अंक: 1 X 15 = 15**

व्यावहारिक समीक्षा

(क) काव्य

छायावाद के प्रमुख कवि - पंत, निराला और महादेवी वर्मा की किसी कविता या कवितांश की समीक्षा

(ख) निबंध

प्रसाद - काव्य कला तथा अन्य निबंध

प्रेमचंद - कुछ विचार

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	**15 X 4 = 60**
02 लघुत्तरी प्रश्न	**5 X 2 = 10**
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1 X 10 = 10**

अनुमोदित ग्रंथ :

1.पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र, 2. पाश्चात्य साहित्य चिंतन-डॉ.निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नईदिल्ली, 3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ.नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 4. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र-डॉ.रामपूजन तिवारी, 5. हिन्दी आलोचना-डॉ.विश्वनाथ तिवारी, 6. हिन्दी आलोचना के बदलते मानदंड और हिन्दी साहित्य - डॉ.शिवकरण सिंह, किताब महल, इलाहाबाद, 7. वाद-विवाद-संवाद - डॉ.नामवर सिंह, 8. इतिहास और आलोचना-डॉ.नामवर सिंह, 9. संवाद(नई कविता आलोचना और प्रतिक्रया) - डॉ.प्रभाकर क्षेत्रीय, राजपाल एंड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली, 10. समालोचना से साक्षात्कार(साहित्य चिंतापरक लेखों का संग्रह) - संपा. डॉ.रीता पालीवाल, मानविकी विद्यापीठ, इंदिरागांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नईदिल्ली

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 514 **अंक : 80** **समय : 3 hrs**

पाठ्यक्रम : हिन्दी कथा साहित्य में स्त्री विमर्श

उपन्यास

(क) दिलो दानिश – कृष्णा सोबती, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली

(ख) रूकोगी नहीं राधिका – उषा प्रियंवदा, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली

कहानी

प्रतिनिधि महिला कथा सृजन – छबिल कुमार मेहेर, शबनम पुस्तक महल, कटक

1. **हिरणी** –चंद्रकिरण सोनेरेक्सा
2. **बादलों के घेरे** – कृष्णा सोबती
3. **स्त्री सुबोधिनी** – मन्नू भंडारी
4. **औरत एक रात है** – मालती जोशी
5. **बानो** – मुंजल भगत
6. **मेरे देश की मिट्टी आहा** – मृदला गर्ग
7. **बन्तो** – नमिता सिंह
8. **पाथर मन** – उषा किरण खान
9. **चूहे को चूहा ही रहने दो** – मधु कांकरीया
10. **यह रात कितनी लंबी है** – जया जादवानी

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	**15 X 4 = 60**
02 लघुउत्तरी प्रश्न	**5 X 2 = 10**
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1 X 10 = 10**

अनुमोदित ग्रंथ :

1. साहित्य की जमीन और स्त्री-मन के उच्छवास-रोहिणी अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2. अफ्रो-अमेरिकन साहित्यः स्त्री स्वर - विजय शर्मा, 3. देह की राजनीति से देश की राजनीति तक - मृणाल पांडे, 4. परिधि पर स्त्री - मृणाल पांडे, 5. स्त्री का समय - क्षमा शर्मा, 6. स्त्रीत्व का मानचित्र - अनामिका, 7. उपनिवेश में स्त्री - प्रभा खेतान, 8. हम सभ्य औरतें - मनीषा, 9. औरत के लिए औरत - नासिरा शर्मा, 10. खुली खिड़कियाँ - मैत्रेयी पुष्पा, 11. औरत के हक में - तसलीमा नसरीन, 12. स्त्री संघर्ष का इतिहास - राधा कुमार, 13. साम्प्रदायिक दंगे और नारी - नूतन सिन्हा, 14. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श - जगदीश्वर चतुर्वेदी, 15. अधीन जमीन - उपेन्द्र नाथ अश्क, 16. रेणु की नारी दृष्टि - डॉ. अल्पना तिवारी, 17. चुकते नहीं सवाल - मृदुला गर्ग, 18. नारी प्रश्न - सरला माहेश्वरी

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 515 **अंक : 80** **समय : 3 hrs**

पाठ्यक्रम : हिन्दी कविता एवं साहित्य की अन्य विधाओं में स्त्री विमर्श

1. हिन्दी कविताओं में स्त्री विमर्श
2. हिन्दी रंगमंच में स्त्री विमर्श
3. हिन्दी आत्मकथाओं में स्त्री विमर्श
4. कुछ प्रमुख आत्मकथाएँ

(क) रसीदी टिकट - अमृता प्रीतम

(ख) अन्यासे अनन्या - प्रभा खेतान

(ग) एक कहानी यह भी - मन्नू भंडारी

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	**15 X 4 = 60**
02 लघुउत्तरी प्रश्न	**5 X 2 = 10**
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1 X 10 = 10**

अनुमोदित ग्रंथ :

1. स्त्री पुरुष कुछ पुनविर्चार झ राजकिशोर, 2. स्त्रीत्ववादी विमर्श समाज और साहित्य - क्षमा शर्मा, 3. स्त्री : मुक्ति का सपना - सं. प्रो. कमला प्रसाद, राजेन्द्र शर्मा, अतिथि सं. अरविन्द जैन व लीलाधर मंडलोई, 4. विद्रोही स्त्री - जर्मन ग्रेयर, 23. औरत होने की सजा - अरविन्द जैन, 5. आदमी की निगाह में औरत - राजेन्द्र यादव, 6. अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य - अचर्ना वर्मा, 7. औरत उत्तरकथा - राजेन्द्र यादव, 8. भारत में विवाह संस्था का इतिहास - विश्वनाथ काशीनाथ राजवाड़े, 9. सामान नागरिक संहिता - सरला माहेश्वरी, 10. नए आयामों को तलाशती नारी - दिनेश नंदिनी डालमिया, 11. प्राचीन भारत में नारी - डॉ. उमिर्ला प्रकाश मिश्र, 12. इक्कीसवीं सदी की ओर - सुमन कृष्णकांत, 13. नारी देह के विमर्श - सुधीश पचौरी, 14. स्त्री विमर्श का लोकपक्ष - अनामिका, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

Scanned with CamScanner

SEMESTER - IV

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 521 **अंक : 80** **समय : 3 hrs**

पाठ्यक्रम : कामकाजी हिन्दी और हिन्दी कम्प्यूटिंग

(क) कामकाजी हिन्दी

UNIT – I

हिन्दी के विभिन्न रूप : सर्जनात्मक भाषा, संचार माध्यम की भाषा, मातृ भाषा, राजभाषा

UNIT – II

राजभाषा के प्रमुख प्रकार : प्रारूपण, टिप्पण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन

UNIT – III

पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप एवं महत्व, निर्माण के सिद्धांत, ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली

(ख) हिन्दी कंप्यूटिंग

UNIT – IV

1.कंप्यूटर : परिचय, रूप रेखा, उपयोग तथा क्षेत्र(संगणक, वेब पब्लिशिंग का परिचय)

2. इंटर एक्सप्लाईट अथवा नेटस्केप

3. लिंक ब्राउजिंग(ई-मेल भेजना/प्राप्त करना) हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	**15 X 4 = 60**
02 लघुउत्तरी प्रश्न	**5 X 2 = 10**
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1 X 10 = 10**

अनुमोदित ग्रंथ :

1.प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली, 2. व्यवहारिक हिन्दी - डॉ. महेंद्र मित्तल, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली, 3. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ.गुलाम मोइनूद्दीन खान, शबनम पुस्तक महल, कटक 4. हिन्दी उर्दू हिंदुस्तानी - पदमसिंह शर्मा, 5. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग - गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 6. राजभाषा नीति आदेश - निर्णय -भारतीय बैंक संघ, मुंबई, 7. राष्ट्रीयकृत बैंकों में हिन्दी प्रयोग की नई दिशाएँ - डॉ. दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली, 8. प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रासंगिकता एवं परिदृश्य - डॉ.नागलक्ष्मी, जवाहर पुस्तकालय, नईदिल्ली, 9. समाचार और प्रारूप लेखन - डॉ. राम प्रकाश एवं दिनेश गुप्त, राधाकृष्णन प्रकाशन, नईदिल्ली, 10. जनमाध्यम और हिन्दी पत्रकारिता- प्रवीण दीक्षित, सहयोगी प्रकाशन, साहित्स संस्थान, कानपुर, 11. पत्रकारिता के विविध रूप - डॉ. रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली, 12. हिन्दी पत्रकारिता विविध आयाम - वेद प्रताप वैदिक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नईदिल्ली, 13. दक्खिनी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली - डॉ. परमानंद पांचाल, जयश्री प्रकाशन, दिल्ली

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 522 **अंक : 80** **समय : 3 hrs**

पाठ्यक्रम : हिन्दी पत्रकारिता

UNIT – I

हिन्दी पत्रकारिता : संक्षिप्त इतिहास

UNIT – II

पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार

UNIT – III

संपादन के आधारभूत तत्व : संपादकीय लेखन, फीचर लेखन की विशेषताएँ

UNIT – IV

समाचार लेखन कला : शीर्षक, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक संपादन, पृष्ठ सज्जा, व्यवहारिक प्रूफ शोधन

UNIT – V

साक्षात्कार, पत्रकारवार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून और आचार संहिता

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	**15 X 4 = 60**
02 लघुउत्तरी प्रश्न	**5 X 2 = 10**
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1 X 10 = 10**

अनुमोदित ग्रंथ :

1.पत्रकारिता के विविध रूप - डॉ.रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली, 2. हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम - डॉ.वेद प्रताप वैदिक, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नईदिल्ली, 3. पत्र और पत्रकार-डॉ.पी.डी.टंडन, ज्ञानमंडल प्रकाशन, वाराणसी, 4. संपादन कला - के.पी. नारायण, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 5. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प - डॉ. मनोहर प्रभाकर,राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 6. खेल पत्रकारिता - सुशील दोषी, सुरेश कौशिक, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 7. समाचार सम्पादन - कमल दीक्षित, महेश दर्पण, 8. समाचार : पत्र प्रबन्धन - लेखक : गुलाब कोठारी, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 9. राज्य सरकार और जनसम्पर्क - कालीदत्त झा, रघुनाथप्रसाद तिवारी, डॉ. महेन्द्र मधुप, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 10. समाचार एवं प्रारूप-लेखन - डॉ. रामप्रकाश/ डॉ. दिनेशकुमार गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 11. इक्कीसवीं सदी के संकट - रामशरण जोशी, 12. मीडिया और बाजारवाद (सं.) - रामशरण जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 13. मीडिया कालीन हिन्दी : स्वरूप एवं संभावनाएं - डॉ. अर्जुन चव्हाण, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 14. पत्रकारिता : मिशन से मीडिया तक - अखिलेश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 523 अंक : 80 समय : 3 hrs

पाठ्यक्रम : अनुवाद सिद्धान्त एवं व्यवहार

UNIT – I

अनुवाद का स्वरूप : क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि, हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका

UNIT – II

कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद : वाणिज्यिक अनुवाद, कार्यालयी एवं प्रशासनिक शबदावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियां - पदनाम, विभाग आदि, पत्रों के अनुवाद, पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद, बैंक साहित्य के अनुवाद का इतिहास, सरानुवाद

UNIT – III

जनसंचार माध्यमों का अनुवाद : विज्ञापन में अनुवाद, तकनीकी तथा प्रायोगिक क्षेत्र में अनुवाद

UNIT – IV

विधि साहित्य और अनुवाद : विविध साहित्य की हिन्दी और अनुवाद, विधि साहित्य अनुवाद का अभ्यास

UNIT – V

साहित्य अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार, कविता, कहानी, नाटक

दुभाषिया प्रविधि : अनुवाद, पुनरीक्षण एवं मुल्यांकन

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	**15 X 4 = 60**
02 लघुउत्तरी प्रश्न	**5 X 2 = 10**
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1 X 10 = 10**

अनुमोदित ग्रंथ :

1.अनुवाद कला और प्रयोग - डॉ.कैलाश चंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, 2. अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार - डॉ.मंजुला दास, पराग प्रकाशन, दिल्ली, 3. अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, 4. प्रारंभिक अनुवाद विज्ञानः सिद्धांत और प्रयोग - अवधेश मोहन गुप्त, सन्मार्ग प्रकाशन, 5. पत्रकारिता में अनुवाद - जितेन्द्र गुप्त, प्रियदर्शन, अरुण प्रकाश, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 524

पाठ्यक्रम : दलित साहित्य अंक : 80 समय : 3 hrs

UNIT – I अंक : 15 x 1 = 15

(क) दलित साहित्य : पृष्ठभूमि

1.भारतीय दलित साहित्य 2. हिन्दी का दलित साहित्य

(ख) दलित साहित्य के संदर्भ में

1.हिन्दू दर्शन 2. बौद्ध दर्शन 3. अंबेडकरदर्शन

(ग) स्वानुभूति : सहानुभूति

UNIT – II अंक : 15 x 1 = 15

उपन्यास

(क) धरती धन न अपना – जगदीश चंद्र (ख) **मुक्ति पर्व** – मोहनदास नैमिशराय

UNIT – III अंक : 15 x 1 = 15

कहानी

दलित कहानी संचयन – संपा. रमणिक गुप्त, साहित्य अकादमी, नईदिल्ली

1.**नौ बार** – जयप्रकाश कर्दम

2. **अस्थियों के अक्षर** – श्योमराज सिंह

3. **हरिजन** – प्रेम कपाडिया

4. **वैतरणी** – नीरा परमान

5. **दवंदे** – अजय यतिश

UNIT – IV अंक : 15 x 1 = 15

आत्मकथा

(क) जूठन – ओमप्रकाश वाल्मीकि (ख) **तिरष्कृत** – सुराजपाल चौहान ,

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	**15 x 4 = 60**
02 लघुउत्तरी प्रश्न	**5 x 2 = 10**
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1 x 10 = 10**

अनुमोदित ग्रंथ :

1. हंस (सत्ता-विमर्श और दलित विशेषांक) अगस्त-2004, 2. भगवान बुद्ध और उनका धर्म - डॉ.भीमराव आंबेडकर, सिद्धार्थ प्रकाशन, मुंबई, 3. दलित चिंतन का विकास दलित और अश्वेत साहित्य - डॉ. धर्मवीर भारती, उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला, 4. दलित विमर्श की भूमिका - कवल भारती, इतिहास बोध प्रकाशन, इलाहबाद, 5. दलित साहित्य की अवधारण और प्रेमचंद - सदानंद साही, 6. दलित विमर्श - संदर्भ - गिरराज किशोर, 7. साहित्य और दलित चेतना - डॉ. महीप सिंह, चंद्रकांत बदिवडेकर, 8. महात्मा ज्योतिवा फुले

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संख्या : HNC (Special)- 525 अंक : 80 समय : 3 hrs

पाठ्यक्रम : मीडिया लेखन

UNIT – I

जनसंचार प्रायोगिक एवं चुनौतियाँ

UNIT – II

विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप - मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट

UNIT – III

अन्य माध्यम : रेडियो, मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज

UNIT – IV

दृश्य श्रव्य माध्यम : फिल्म, टेलीविजन, वीडियो, दृश्य माध्यमों की भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन, पटकथा लेखन, टेली ड्रामा, संवाद लेखन, साहित्य के विधाओं की दृश्य माध्यमों में रूपान्तरण, विज्ञापन की भाषा

UNIT – V

इंटरनेट सामग्री सृजन (Content Creation)

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	15 X 4 = 60
02 लघुउत्तरी प्रश्न	5 X 2 = 10
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1 X 10 = 10

अनुमोदित ग्रंथ :

1. सिनेमा के चार अध्याय - डॉ. टी. शशिधरन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2.पत्रकारिता : नया दौर, नए प्रतिमान, सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार-पत्र, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 3.खेल पत्रकारिता - सुशील दोषी, सुरेश कौशिक, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 4.समाचार सम्पादन - कमल दीक्षित, महेश दर्पण, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 5.समाचार : पत्र प्रबन्धन - लेखक : गुलाब कोठारी, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 6.राज्य सरकार और जनस[illegible]कालीदत्त झा, रघुनाथप्रसाद तिवारी, डॉ. महेन्द्र म[illegible]कमल प्रकाशन, नईदिल्ली, [illegible] का पत्रकारिता -काशीनाथ गोविंदराव [illegible]मल प्रकाशन, नईदिल्ली, 8.समाचार एव प्रारूप-ल[illegible] डॉ. [illegible]प्रकाश/ डॉ. दिनेशकुमार गुप्त, 9. इक्कीसवां [illegible] - रामशरण जोशी, मीडिया और बाजारवाद (स.) रामशरण जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 10.मीडिया कालीन हिन्दी : स्वरूप एवं संभावनाएं - डॉ. अर्जुन चव्हाण, 11.पत्रकारिता : मिशन से मीडिया तक - अखिलेश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 12. मीडिया की बदलती भाषा - डॉ. अजय कुमार सिंह, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 13. नए जन-संचार माध्यम और हिन्दी - संपादक : सुधीश पचौरी, अचला शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली

****

Scanned with CamScanner